THE DEPUTY CHAIRMAN: Please (*Interruptions*). Just a minute. Let me make my suggestion. What Mr. Fotedar said is in the spirit of it. Nobody is disputing the fact, what is being raised by Mr. Gopalsamy that a person was humiliated just for the sake that he did not know Hindi. Let the matter be inquired by the Government and they can be informed. But others are expressing their view that we are one country, whatever language we speak, whatever religion we follow, let us not go beyond the parameters of special mention.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, the Minister has referred to the President of India.

THE DEPUTY CHAIRMAN: After my ruling, everything is settled.

SHRI S. JAIPAL REDDY: It is in good faith. I grant that in good spirit and good faith he made a reference to the President. But I would like to respectfully submit that no reference under rules of the House should be made to the office of the President to buttress an arguement. There is a rule. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, may I refer to some rules. One rule is, when I gave clarification—what Mr. Fotedar said about it—that happens to be my ruling also and that matter should not be raised. (*Interruptions*). Please. That matter is closed now.

SHRI M. L. FOTEDAR: What I say, I say in the right spirit. All of us are one. He has raised a point. We will look into it. There is no objection. All of us are one, whether somebody is from South, West, North or East. All of us are Indians.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will look into the records.

SHRI V. GOPALSAMY: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gopalsamy, will you have some kind of a patience? I will look into the records. If any mention is made against the office of the President... (*Interruptions*)...

SHRI MURASOLI MARAN: It is not at all necessary. It is an innocent reference.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will find out. I will look into it. I have the right to look into the records. If Mr. Gopalsamy has said something I will check it. They want to repeat it. But let me check whether it is reported or not. Mr. Ahluwalia.

Incident of a mysterious death of a person in the custody of Enforcement Directorate

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) : महोदया, मैंने कल भी इस मसले को शून्य काल में उठाया था कि सुरिन्द्र सिंह नाम के एक व्यवसायी के घर में 28 तारीख को एन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट ने रेड की थी। (व्यवधान) उस घर में जो तलाशी ली गई और उसका जो पंचनामा है उसमें साफ लिखा है कि इस घर की तलाशी में उन्हें फेरा से संबंधित कोई भी कागजात नहीं मिले या उन्होंने कोई भी चीज उस घर से नहीं उठाई। यह पंचनामा उस रेड पार्टी के जो अफसर थे उन्होंने अपने दस्तखत के साथ लिखा है। इसके बावजूद सुरिन्द्र सिंह को वे लोग अपने दफ्तर लोकनायक भवन में ले गए। वहां उस पर तरह-तरह का टोर्चर करते रहे। उससे कुछ लिखवा लेना चाहते थे जिसको वह लिखना नहीं चाहता था, जिस पर वह राजी नहीं हो रहा था। किसी खाली कागज पर उससे दस्तखत करवाना चाहते थे जिस पर वह राजी नहीं हो रहा रहा था ? इसलिए उसको मारते रहे, पिटते रहे, । उसके कपडे उतार दिए। लोग कहते हैं कि उसने छठी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। यह सरासर झूठ है। अखबार में जो आज तक छपा है वही इस चीज को बताता

है । कल मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया था-- If it is true, I will take action under Section 302. अब तो वहां पर अफसर लगे हुए हैं कि इसको सही साबित न किया जाए । यह साबित करने में लगे हुए हैं कि उसने आत्म हत्या की है ।

महोदया मेरे पास इफारमेशन आई है कि जिस डाक्टर ने पोस्टमार्टम किया है उस पर इनकम टैक्स के लोग और इनफोर्समेंट डिपार्टमेंट के लोग दाव डाल रहे हैं कि तुम एक फेवरेबल रिपोर्ट लिख दो । और तो और, मुझे टेलीफोन करके यह बताया गया कि अहलुवलिया साहब, आप इस मामले में शांत रहें तो बेहतर है, आप इसको पार्लियामेंट में न उठाए । मेरे को भी धमकी आती हैं । मैं अपने अधिकारों का भी यहां त्याग कर दूं, यहां जनता की बात नहीं उठा सकता । मेरे को भी धमकी आती हैं कि तुम भी एक व्यवसायी हो, व्यवसाय करते हो और अगर आप इस बात को ज्यादा उठायेंगे तो आपको इसको भुगताना पड़ेगा । इसमें मैं आपकी प्रोटेशन चाहता हूं । यह एक ऐसा मामला है, जब तक एक व्यवसायी को, मुझे नहीं मालूम किस केस में एरेस्ट किया गया ... (व्यवधान) ।

SHRI MURASOLI MARAN (Tamil Nadu): Who threatened you?

SHRI S. S. AHLUWALIA: I raised this point yesterday against the enforcement officials during zero hour.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. He is asking you, who threatened you.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Somebody telephoned me. They did not disclose their names. They said, "you please stop this movement in the Parliament. Do not raise this issue in the Parliament; otherwise you will have to face the consequences".

SHRI V. GOPALSAMY: (Tamil Nadu): Madam, this is a very serious matter.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैडम, यह केस एक दूसरा टर्न ले रहा है । यह संसद है । क्या इस देश के एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट के लोग, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के लोग और कस्टम डिपार्टमेंट के लोग इतने शक्तिशाली हो गए हैं, जिनका कानून इस सदन में पास होता है, इस सदन के सदस्य उनके गैर-कानून कामों की खिलाफत नहीं कर सकते हैं, अपनी आवाज नहीं उठा सकते हैं ? इस मामले के संबंध में कल भी आवाज उठाई गई थी और गृह मंत्री महोदय ने संसद् में यह आश्वासन दिया था कि अगर यह मामला सत्य है तो उस पर 302 की कार्यवाही होगी । उसके बाद भी टेलीफोन आते हैं, ऐसी धमकी आती हैं । मैं इस सदन की प्रोटेक्शन चाहता हूं । मैं जाती तौर पर पार्लियामेंट का समय होने के साथ-साथ मेरा सामाजिक जीवन भी हैं ।

SHRI MURASOLI MARAN: Why don't you move a privilege motion?

SHRI S. S. AHLUWALIA: If I knew the names, then I could move a privilege. But now against whom should I move it, against the telephone?

SHRI MURASOLI MARAN: They can find out who telephoned.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदय इन हालात में, मैं आप के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना करना चाहता हूं कि इस मामले को सी० बी० आई० को दिया जाए । मुझे पता लगा है कि एक साधारण एस० डी० एम० को इस पर इन्क्वाइरी करने के लिए बैठाया गया है । आज स्थिति यह है कि दिल्ली शहर का हर एक व्यवसायी, ईमानदार व्यवसायी, आतंकित है और जिसको एनफोर्स डिपार्टमेंट की तरफ से नोटिस दिया जा रहा है उसकी रात की नींद गुजारना मुश्किल हो गया है लोग घबरा कर घर में नहीं सो रहे हैं । हमारे देश में जो कानून बना है, मैं कहता हूं कि अगर एक आदमी फैरा केस में पकड़ा भी जाता है तो उसका पनिशमेंट मौत नहीं है, उसको फांसी के फंदे में

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

नहीं चढ़ाया जा सकता है । लेकिन यहां तो केस इस्टेब्लिस हो ने के पहले ही इंट्रोगेशन में मार डाला जाता है । आप को सुन कर आश्चर्य होगा कि इन्होंने कहा है कि उसने छठी मंजील से छलांग लगा दी । उसकी डेड बोडी पकड़ी गई तो उसकी पेंट आधी उतरी हुई थी । उसके बदन पर कोई कपड़ा नहीं था, सिर पर पगड़ी नहीं थी । मैं कहता हूं कि एक आदमी आधी पेंट उतार करके ऊंची खिड़की पर चढ़ नहीं सकता है । क्या वह स्वीमिंग पूल में छल्लांग लगाने के लिए जा रहा था जिसके कारण उसने अपने कपड़े उतार दिए थे ? उसके साथ थर्ड डिग्री टारचर किया गया है । मैं आप के माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि अभी तक सरकार ने इन अभियुक्तों को पकड़ कर के गिरफ्तार नहीं किया, उनके खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की ? मैं मांग करता हूं कि जिन-जिन अफसरों ने उसको इंट्रोगेट किया उनको गिरफ्तार किया जाय, डिमोट किया जाए और उसके बाद सी० बी० आई० की इन्क्वायरी की जाय । हमें एक मिसाल तैयार करनी चाहिए कि अगर पता लगे कि जो सरकारी अफसर सरकारी ताकत का नाजायज फायदा लेते हुए देश की जनता को परेशान करेंगे तो उनको उसका मसूल देना पड़ेगा । कहीं तो रिस्पोंसिबिलिटी लेनी पड़ेगी, एकाउन्टेबिलिटी लेनी पड़ेगी, कहीं तो तराजू पर हमें जोता जा सकता है । मैं आप के माध्यम से यह मांग करता हूं कि यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है । पूरे देश में यह मैसेज देने की जरूरत है कि सरकारी अफसरों को उनकी ताकत का दुरुपयोग नहीं करने देंगे और उसके लिए सी० बी० आई० की मांग करता हूं ।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): The Minister of Finance is here... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia has made his point. He doesn't need any more adding to it.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, let the Finance Minister intervene.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Ministers are here. They will find out.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, Mr. Ahluwalia made a reference yesterday. By now, they must have found out the facts.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister for Home Affairs and the Minister of State for Finance are here. They will look into the matter.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Yesterday, when this matter was raised in the House, the Home Minister assured the House that strong action will be taken against the culprits. And the Finance Minister is here. Actually, the FERA is the matter under his charge and if there is anything, he may react. Regarding the culprits, if it is a real fact...

SHRI S. S. AHLUWALIA: Yes, it is.

SHRI M. M. JACOB: Mr. Ahluwalia says, it is. Certainly the matter is being enquired into and strong action will be taken against those people found guilty. There is no let-up.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Finance Minister also should intervene.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Finance Minister should also enquire if any torture was being applied.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैडम, जो धमकियां मुझे मिल रही हैं, उसका क्या होगा ?

उपसभापति : आप को कौन धमकी दे सकता है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मुझे धमकियां मिल रही हैं ।

एक माननीय सदस्य : रियली ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : आपने सुना नहीं ?

उपसभापति : अगर टेलीफोन पर किसी ने नाम बताया होता तो आप प्रिविलेज दे सकते थे । लेकिन वह बेनामी आया है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : यह बात नहीं है .....

SHRI V. GOPALSAMY: Didn't have the courage to tell his name to Mr. Ahluwalia.

उपसभापति : आप तो सब लोगों के राइट्स के प्रोटेक्टर है, आप को क्या प्रोटेक्शन ?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : राइट्स जिनके हाथ में है, वे उसका मिस-यूज कर रहे हैं ।

उपसभापति : देखिये, मैं तो आपको प्रोटेक्शन दे रही हू, आपको हाउस में बोलने दे रही हूं ।

LOSS OF FOREST AND WILDLIFE DUE TO CONSTRUCTION OF HOUSES BY TERRORISTS GROUPS IN DUDHWA AND CORBETT NATIONAL PARKS IN UTTAR PRADESH

डा० संजय सिंह (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, पिछले सप्ताह नेशनल जौगरफिक मैगजिन के कुछ पत्रकार और फोटोग्राफर मेरे पास थे । उनकी इच्छा थी नेशनल कार्बेट पार्क जाने की । मैंने व्यक्तिगत तौर पर उत्तर प्रदेश के वन विभाग के कुछ अधिकारियों से पार्क जाने की इच्छा जाहिर की । महोदया, उन लोगों ने साफ मना कर दिया कि नेशनल कार्बेट पार्क एकदम अनसेफ है, वहां पर टैरोरिस्टों के हाइड-आउट्स हैं । यहां तक कि वन विभाग के अधिकारियों को भी इंस्ट्रक्शंस हैं कि वे बिना तीन-चार आदमियों बिना हथियारों के नेशनल कार्बेट पार्क में प्रवेश न करें । वहां पर पुलिस और नेशनल कार्बेट पार्क के जो अधिकारी हैं, में चाहूंगा गृह मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना कि.....

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : गृह मंत्री जी व्यस्त हैं ।

डा० संजय सिंह : मैं गृह मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि नेशनल कार्बेट पार्क . . .

SHRI KAMLA SINHA: The Home Minister should pay attention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Home Minister is now paying attention. So please don't disturb him.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): I didn't go away from my seat.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I wanted to convey that you are paying attention as you have put on the headphone.

डा० संजय सिंह : जब नेशनल कार्बेट पार्क के लिए सीधा मन हो गया तो मैंने सोचा जो नेशनल दुधवा पार्क खीरी-लखीमपुर जिले में है, वहां पर जाया जाय । वहां के अधिकारियों से जब संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने भी टोटल अनसेफ का एलान किया और कहा कि वहां भी जाना उचित नहीं है । इस रिपोर्ट के बाद हमें इस बारे में कुछ जानकारी हुई तो और भी ज्यादा इच्छा हुई कि इस बारे में विस्तृत जानकारी मालूम की जाय । जानकारी में महोदया, यह पता चला कि दिसम्बर में जो टूरिस्ट के लिए पीक सीजन होता है, वहां कोई भी टूरिस्ट नहीं गया और यहां तक रिपोर्ट मिली है कि दिन में और रात में आंतकवादियों का नाम लेकर वहां पर बहुत ही ज्यादा अवैधानिक रूप से जंगलों की कटाई हो रही है । इसी तरह से अवैधानिक तरीके से अन्य जन्तुओं का शिकार का एक तरह से अभियान चल रहा है । वहां पर प्रदेश सरकार से जब इस बारे में बात की जाती है कि वहां पर मंदिर और मस्जिद के अलावा और कोई इश्यू ही नहीं है और दिल्ली में जब बात की जाती है तो उनको यह सूट करता है कि ला एंड